

## Skill – 16

### दूसरों के प्रति संवेदनशीलता दर्शाना

1. दूसरे के प्रति अपनत्व व चिन्ता जाहिर कीजिये। खासतौर पर जब उन्हें कोई परेशानी हो तब।
2. यह ध्यान रखिये कि सामान्य व्यक्तियों की तरह ही अपाहिज व्यक्ति को भी उतना ही सम्मान चाहिए होता है।
3. किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचाने पर या किसी को नुकसान पहुँचाने पर, उससे क्षमा याचना कीजिए।
4. याद रखिये कि विभिन्न जातियों, धर्मों व परिवेशों के लोगों के प्रति वही व्यवहार होना चाहिए, जो व्यवहार आप अपने लिये चाहते हैं।

यदि आप दूसरों की मदद करते हैं तो दूसरे भी आपकी मदद करेंगे। आपके क्षमा माँगने से यह पता चलता है कि आप अपने कृत्यों की जिम्मेदारी ले सकते हैं और आप जब भी कोई गलती करेंगे तो उसे स्वीकार कर सकते हैं। किसी अयोग्यता की वजह से कोई छोटा नहीं होता है। अपाहिज लोगों की मदद करना व सभी के साथ समान बर्ताव करने से, यह पता चलता है कि यद्यपि हर व्यक्ति भिन्न है, आपका विश्वास सभी को समान सम्मान देना है।

#### उपयोगी बातें :

- यदि आपको कोई मुश्किल में नजर आता है तो उससे पूँछिये कि “क्या मैं उसकी कोई मदद कर सकता हूँ?”
- कभी-कभी आपके द्वारा चिन्ता दिखाने मात्र से, दूसरे की परेशानी में मदद हो जाती है।
- जब भी जरूरी हो, किसी अपाहिज की मदद के लिए, सदैव तैयार रहिये। आप उसके लिए दरवाजा खोल सकते हैं, उसका सामान उठा सकते हैं या बैठने के लिए उसे अपनी सीट दे सकते हैं।
- अपाहिज लोगों को घूरकर मत देखिये, न ही उनकी विशेष आवश्यकताओं पर कोई टिप्पणी कीजिए।
- आपके कुछ न करने से, दूसरे का नुकसान हो सकता है। इसी तरह से आपके कुछ करने से उनका लाभ भी हो सकता है। यदि आप किसी को चोट पहुँचाते हैं तो आपको तुरन्त गंभीरता से क्षमा माँगनी चाहिए।
- किसी के वर्ण का या किसी के विश्वासों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए और न ही उन पर तीखी आलोचना करनी चाहिए।